फिर प्यारा त्योहार आ गया

स्वाध्याय

पद्यांश 1

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 45 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 26 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[नाचो, गाओ, ...

..... त्योहार आ गया।]

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. नाचो 2. गाओ

3. धूम मचाओ

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

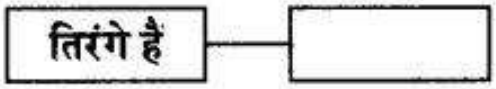

उत्तर: रंग-बिरंगे

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

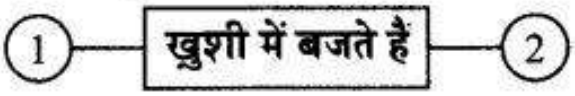

उत्तर: 1. बाजे 2. शहनाई

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

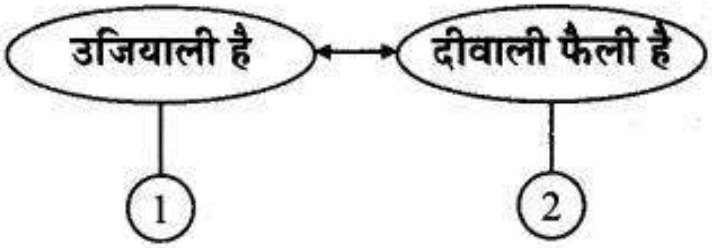

उत्तर: 1. डगर-डगर 2. जगर-मगर

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

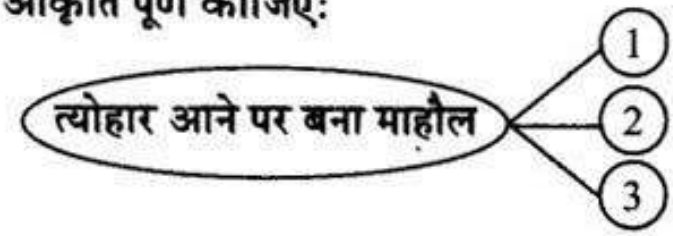

उत्तर: 1. चहल-पहल है।

2. खेल-तमाशे हो रहे हैं।

3. लोगों के चेहरे चमक रहे हैं।

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

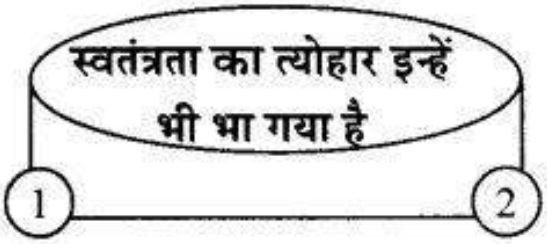

उत्तर: 1. सूरज 2. चाँद

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

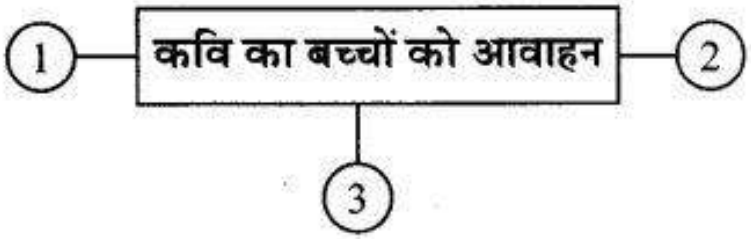

उत्तर: 1. नन्हें-मुन्ने आओ-आओ।
2. नन्हें-नन्हें कदम बढ़ाओ।
3. भारत माँ की जय-जय गाओ।

कृ.8. आकृति पूर्ण कीजिए:

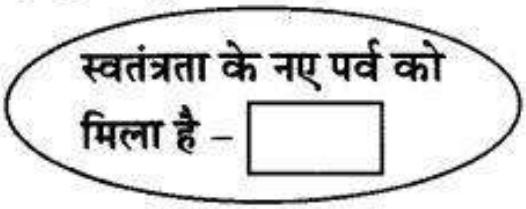

उत्तर: सबके मन का प्यार

क्र.9. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. तीन रंग का हमारा राष्ट्रीय ध्वज
2. आसमान में सात रंग की धनुषाकार आकृति
3. निश्चित समय पर समंदर के पानी के उठने की क्रिया
4. दीप जलाकर मनाया जानेवाला त्योहार

उत्तर: 1. तिरंगा 2. इंद्रधनुष
3. ज्वार 4. दीवाली

क्र.10. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. फिर प्यारा _____ आ गया।
(संसार, अख़बार, त्योहार)

2. नई खुशी का _____ छा गया।
(भार, ज्वार, प्यार)

3. चमक रही है मुख पर _____।
(काली, बाली, लाली)

4. सबके मन का _____ पा गया।
(प्यार, हार, तार)

उत्तर: 1. त्योहार 2. ज्वार
3. लाली 4. प्यार

कृ.11.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर घर-घर तिरंगे फहराते हैं। ☐
2. स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर चारों तरफ खुशी का माहौल नहीं होता। ☐

उत्तर: 1. सत्य 2. असत्य

कृ.12.उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		ब
1.	त्योहार	अ.	रंग-बिरंगे
2.	तिरंगे	ब.	लाली
3.	खुशी	क.	दीवाली
4.	जगर-मगर	ड.	ज्वार
5.	मुख	इ.	स्वतंत्रता दिवस

उत्तर: (1 - इ), (2 - अ), (3 - ड), (4 - क), (5 - ब)।

कृ.13.निम्नलिखित विधानों को पद्यांश में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. भारत माँ की जय-जय गाओ।
2. उनको भी त्योहार भा गया।

3. सबके मन का प्यार पा गया।

4. घर-घर तिरंगे उड़ने लगे।

उत्तर: 1. घर-घर तिरंगे उड़ने लगे।

2. उनको भी त्योहार भा गया।

3. भारत माँ की जय-जय गाओ।

4. सबके मन का प्यार पा गया।

कृ.14.सही विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए:

1.

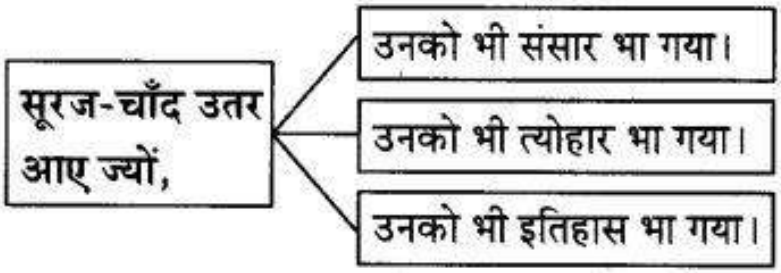

2.

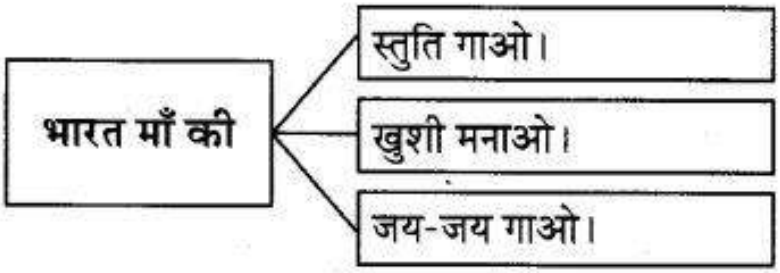

उत्तर: 1. सूरज-चाँद उतर आए ज्यों, **उनको भी त्योहार भा गया।**

2. भारत माँ की **जय-जय गाओ।**

कृ.15.आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: अपने राष्ट्रीय त्योहारों को अन्य त्योहारों की ही भाँति हर्ष व उल्लास से मनाना चाहिए।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. शब्द-भंडार में से समानार्थी शब्दों को खोजकर लिखिए:

उमंग, डगर, उजियाली, जगर-मगर, चहल-पहल, मुख, लाली, धूम, स्वतंत्रता, पर्व, मुँह, लालिमा, मस्ती, आज़ादी, उल्लास, गली, रोशनी, जगमगाहट, उत्साह, उत्सव

उत्तर:

उमंग	– उल्लास	डगर	– गली
उजियाली	– रोशनी	जगर-मगर	– जगमगाहट
चहल-पहल	– उत्साह	मुख	– मुँह
लाली	– लालिमा	धूम	– मस्ती
स्वतंत्रता	– आज़ादी	पर्व	– उत्सव

कृ.2. शब्द-भंडार में से विरुद्धार्थी शब्दों को खोजकर लिखिए:

खुशी, ज्वार, अंधियारी, स्वतंत्रता, पुराने, ग़म, भाटा, उजियाली, घृणा, परतंत्रता, नए, प्यार

उत्तर: खुशी × ग़म ज्वार × भाटा
अंधियारी × उजियाली स्वतंत्रता × परतंत्रता
पुराने × नए प्यार × घृणा

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

1. तिरंगे
2. उमंग
3. बाजे
4. शहनाई
5. खुशी
6. तमाशे

उत्तर: 1. तिरंगा 2. उमंगें
3. बाजा 4. शहनाइयाँ
5. खुशियाँ 6. तमाशा

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1. | द्र | ष | नु | ध | इं |
2. | त्र | तं | ता | स्व |

उत्तर: 1. इंद्रधनुष 2. स्वतंत्रता

कृ.5. निम्नलिखित शब्दों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

1. त्योहार
2. तिरंगा
3. इंद्रधनुष
4. उमंग
5. ज्वार
6. लाली
7. स्वतंत्रता

उत्तर: 1. होली का **त्योहार** सब लोग बड़ी धूम-धाम से मनाते हैं।

2. **तिरंगा** हमारे भारत की शान है।
3. आसमान में **इंद्रधनुष** खिला हुआ है।
4. बसंत के आगमन पर कलियों का हृदय **उमंग** से भर गया।
5. समुद्र में **ज्वार** आया देख नाविक घरों को लौट चले।
6. शाम होने पर सूरज के मुख पर लाली छा जाती है।
7. जीवन में **स्वतंत्रता** से मूल्यवान दूसरी कोई चीज़ नहीं होती।

कृ.6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. धूम मचाना
2. खुशी का ज्वार छाना
3. चहल-पहल होना
4. भा जाना
5. जयगान करना
6. प्यार पाना

उत्तर: 1. **धूम मचाना** – जलवा बिखेरना।

वाक्य:बल्लेबाज ने आतिशी पारी खेलकर मैदान में **धूम मचा दी**।

2. **ख़ुशी का ज्वार छाना** – बेहद प्रसन्न होना।

वाक्य:चुनाव जीतने पर नेता जी के परिवार में **ख़ुशी का ज्वार छा गया**।

3. **चहल-पहल होना** – उत्साह का माहौल होना।

वाक्य:राहत सामग्री आने की खबर मिलते ही आपदा शिविर में **चहल-पहल शुरू हो गई**।

4. **भा जाना** – पसंद आना।

वाक्य:हीरों का हार वृषाली को **भा गया है**।

5. **जयगान करना** – स्तुति करना।

वाक्य:राक्षसों के वध के पश्चात ऋषियों ने भगवान श्री राम का **जयगान किया**।

6. **प्यार पाना** – स्नेह मिलना।

वाक्य:मैं तुम्हारा **प्यार पाकर** धन्य हो गया हूँ !

कृ.7. वाक्य शुद्ध कीजिए:

1. फिर प्यारी त्योहार आ गई।
2. भारत माँ का जय-जय गाओ।

उत्तर: 1. फिर **प्यारा** त्योहार आ **गया**।

2. भारत माँ **की** जय-जय गाओ।

कृ.8. कोष्ठक में दिए विरामचिह्नों का उचित प्रयोग करके वाक्य पुन: लिखिए:

‘	,	–	!	;	।	’

1. चहल पहल है खेल तमाशे चमक रही है मुख पर लाली
2. सूरज चाँद उतर आए ज्यों उनको भी त्योहार भा गया

उत्तर: 1. चहल-पहल है, खेल-तमाशे, चमक रही है मुख पर लाली।

2. सूरज-चाँद उतर आए ज्यों, उनको भी त्योहार भा गया!

कृ.9. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

रंग, कदम, जय, मन

उत्तर:

उपसर्ग	शब्द	नया शब्द
बद	रंग	बदरंग
हम	कदम	हमकदम
परा	जय	पराजय
बे	मन	बेमन

कृ.10. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए:

प्यारा, दीवाली, लाली, स्वतंत्रता

उत्तर:

शब्द	प्रत्यय
प्यारा	आ
दीवाली	ई
लाली	ई
स्वतंत्रता	ता

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. कवि ने नन्हे बच्चों का आवाहन किस प्रकार किया है?

उत्तर: पूरे देश में स्वतंत्रता-दिवस की धूम मची हुई है। सभी खुशी से नाच रहे हैं और धूम मचा रहे हैं। ऐसा लग रहा

है मानो चारों ओर आनंद का वातावरण छा गया हो। रास्ते पर फैला उजियाला दीवाली के दिन का आभास करा रहा है। इस हर्षोल्लास के समय कवि को यह प्रतीत होता है कि वे देश के नन्हे-मुन्ने बच्चों को भी इस जश्न में शामिल करें। वे नन्हे बच्चों का आवाहन करते हुए कहते हैं कि – नन्हें-मुन्ने बच्चों, तुम अपने नन्हें-नन्हें कदम बढ़ाते हुए इस स्वतंत्रता पर्व में शामिल हो जाओ। तुम सब मिलकर हमारी प्यारी भारत-माता की जय-जयकार करो। तुम्हें अपनी माता का गौरव बढ़ाना है।

इस प्रकार भारत माता की जय-जयकार करने हेतु कवि ने नन्हे बच्चों का आवाहन किया है।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. गणतंत्र दिवस मनाने के लिए आपकी तैयारी

उत्तर: 26 जनवरी, 1950 को हमारा देश एक सर्वप्रभुता संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य बना था, इसलिए गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। मैं इसे किसी भी त्योहार से बढ़कर मनाता हूँ। हर वर्ष मैं इस दिन प्रात:काल उठकर स्नान-ध्यान करके फूलों की माला बनाता हूँ। उसके बाद पाठशाला जाता हूँ। वहाँ प्रभात फेरी में शामिल होता हूँ। फिर झंडावंदन के बाद पाठशाला के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेता हूँ और राष्ट्रीय ध्वज के महत्त्व पर छोटा-सा भाषण भी देता हूँ। मैं अपने सहपाठियों को बताता हूँ कि गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्रीय जीवन में होली, दीवाली, ईद और बैसाखी आदि त्योहारों से भी अधिक महत्त्व का त्योहार है। हमें इसे पूरी सद्भावना के साथ मनाना चाहिए। यह आनंदोत्सव है।

पाठशाला से लौटकर मैं अपने मोहल्ले में हर धर्म को मानने वाले व्यक्तियों को मिठाई बाँटता हूँ। गणतंत्र दिवस अमर रहे! भारत माता की जय!! जय हिंद!!!